भारत मौसम विज्ञान विभाग
सातवी अखिल भारतीय दो दिवसीय अंतर विभागीय हिंदी संगोष्ठी.
दिनांक 28/05/2019 से 29/05/19 तक.
हैदराबाद

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

विषय :- संख्यात्मक मौसम की पूर्वानुमान और धूल बुआई ,विदर्भ क्षेत्र.

अ. वि . गोडे
मौ. वि –बी
प्रादेशिक मौसम केंद्र.
नागपुर

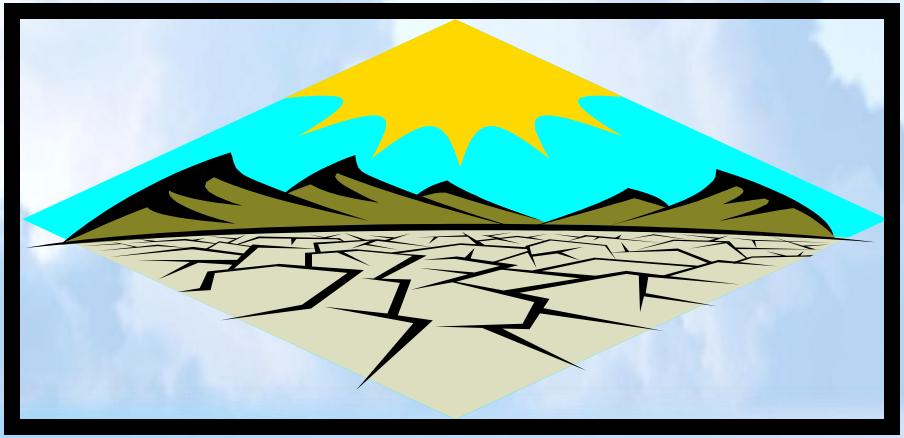

किसान आत्महत्या.

1)मानसून की शुरुआत की अनिश्चितता.

2) बुआई के समय निर्धारण में गलती.

3) बुआई के बाद मानसून की वर्षा कि कमि.

4) दिर्घ कालिक मानसून की वर्षा का अनुमान को समझनें में अतंर.

5) गलत फसल का चयन

6) दुसरी बार फसाल की बुवाई.

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

मौसम पूर्वानुमान के मॉडल

आज भारत मौसम विज्ञान विभाग विभिन्न प्रकार के मॉडल द्वारा जैसे एन डब्ल्यू पी (NWP), डब्ल्यू आर एफ (WRF), जी एफ एस (GFS) , जी ई एफ एस (GEFS) , विस्तारित सीमा पूर्वानुमान (Extended range forecast), ऋतु कालीन पूर्वानुमान (Seasonal forecast) लग –भग तीन से नौ दिन और चार सप्ताह और पुरे ऋतु के लिए मौसम पूर्वानुमान की जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है और इसे रोज और हर सप्ताह क्रमक्ष: संशोधित किया जाता है.

जी एफ एस (GFS

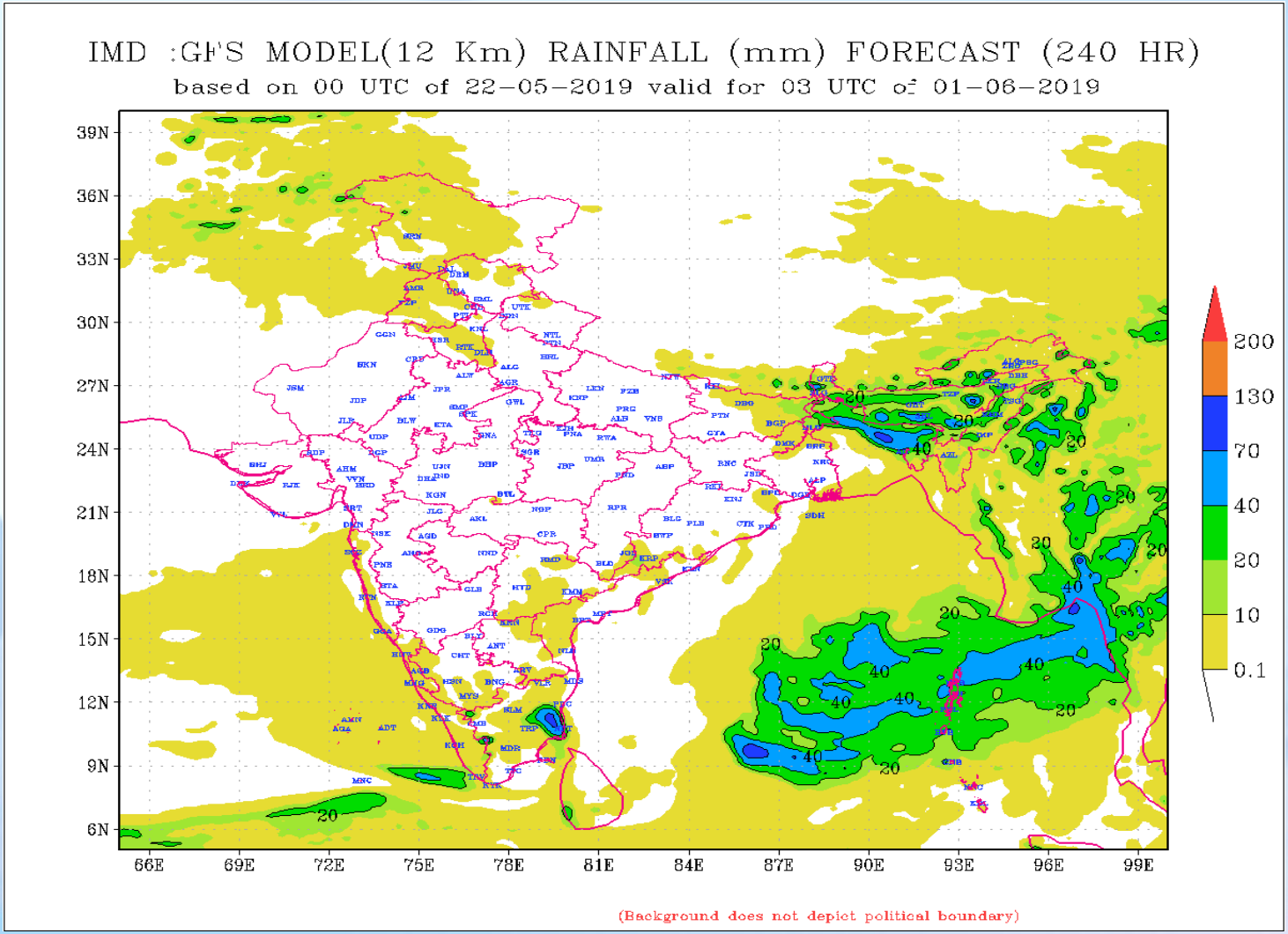
IMD :GFS MODEL(12 Km) RAINFALL (mm) FORECAST (240 HR)
based on 00 UTC of 22-05-2019 valid for 03 UTC of 01-06-2019
39N
36N
33N
30N
27N
24N
21N
18N
15N
12N
9N
6N
66E
69E
72E
75E
78E
81E
84E
87E
90E
93E
96E
99E
200
130
70
40
20
10
0.1
(Background does not depict political boundary)

विस्तारित सीमा पूर्वानुमान

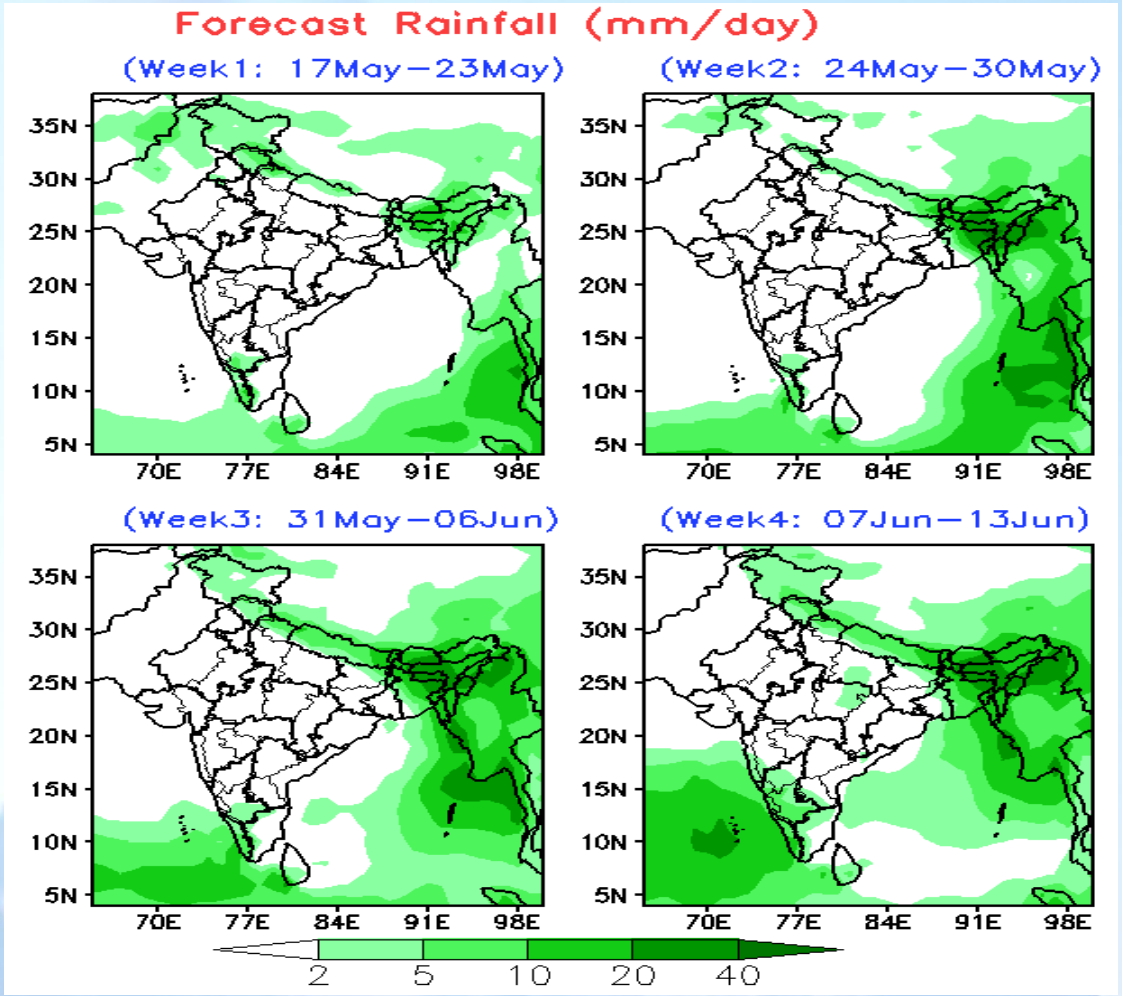

धुल बुआई (Dust sowing)

धुल बुआई (Dust sowing) यह बुआई की एक ऐसी प्रणाली है जिसमें किसान अपेक्षित मानसून की आनेवाली वर्षा को देखते हुये अपने खेतों में बुआई कर देता है और वर्षा आनेपर फसल उग आती है. सामान्य और नियमित अंतराल पर बारिश मिलने पर अच्छी फसल हो जाती है. जिस अवधि में यह कार्य किया जाता है वह धुल भरा समय होता है. और खेत सुखा होने के कारण बुआई करते समय भी धुल उड़ती है. अगर उसका अनुमान गलत होता है तो बुआई बेकार हो जाती है.लेकिन बुआई सफल होती है तो उपज लगभग दोगुना मिलती है.

मॉडल का स्वयंम अध्ययन से.

यदि एन.डब्लु. पी. के स्वयंम के अध्ययन से अपने क्षेत्र के लिए समय निश्चित, क्षेत्र निश्चित और बुआई की तिथि निश्चित कर धुल बुआई करे तो दोबारा बुवाई से बचकर पैसे भी बचायें जा सकते है. साथ ही चार सप्ताह के दिर्घकालिक मौसम पूर्वानुमान के आधार पर सही फसल का भी चयन कर सकते है. रैडार, (तात्त्कालिक पूर्वानुमान (NWP)) और एन.डब्लु पी. मॉडल) का उपयोग करके उसके पास उपलब्ध जल संसाधनोंका जल प्रबंधन करके जल, समय, श्रम और पैसे की बचत कर सकते है. उपरोक्त तंत्र का उपयोग करके अपने अनुभव के आधार पर वह रबी फसल में भी उपयोग कर सकता है.

विदर्भ में मानसून आगमन की आवृत्ती.

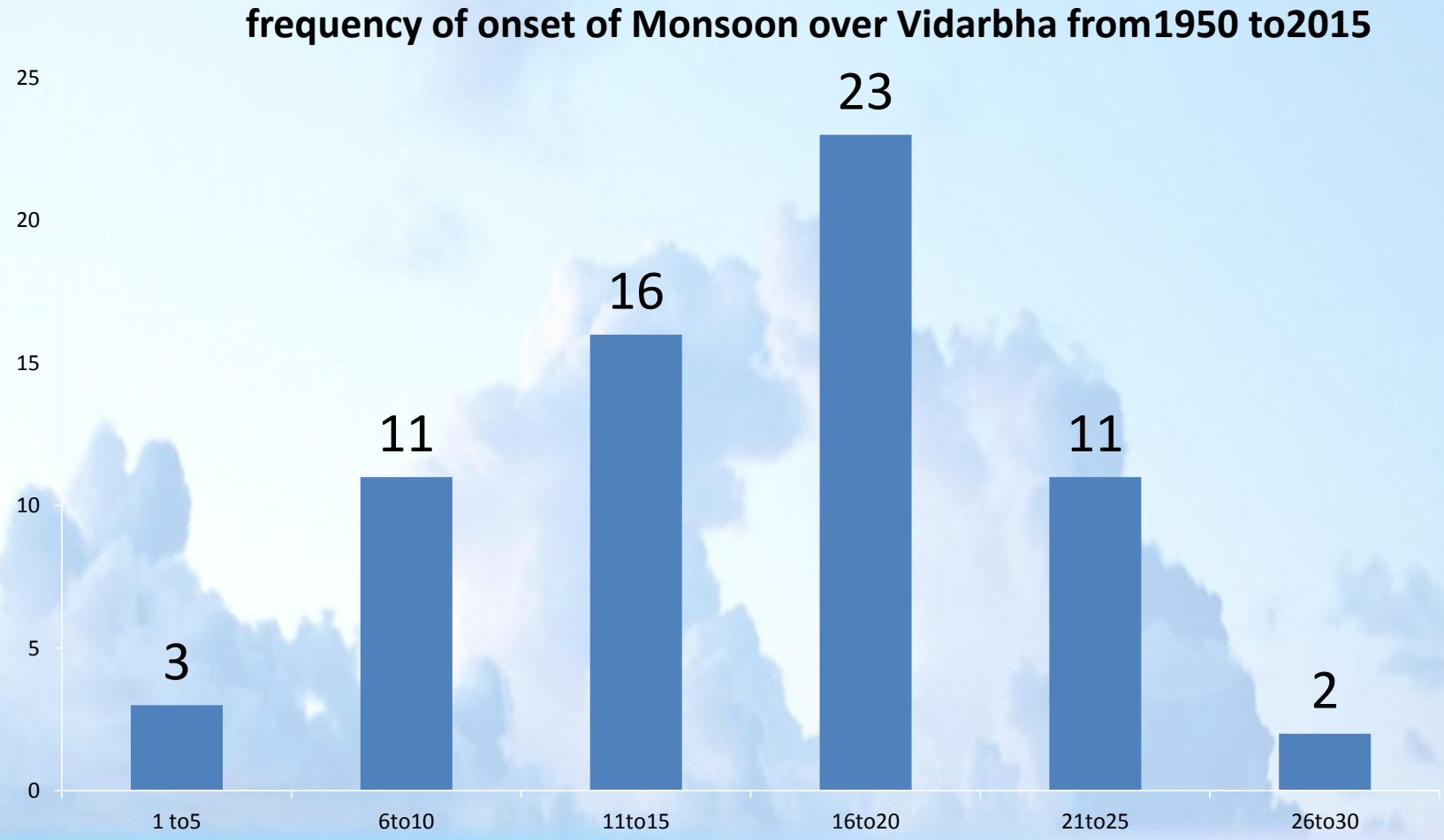

नागपुर रेडार चित्र

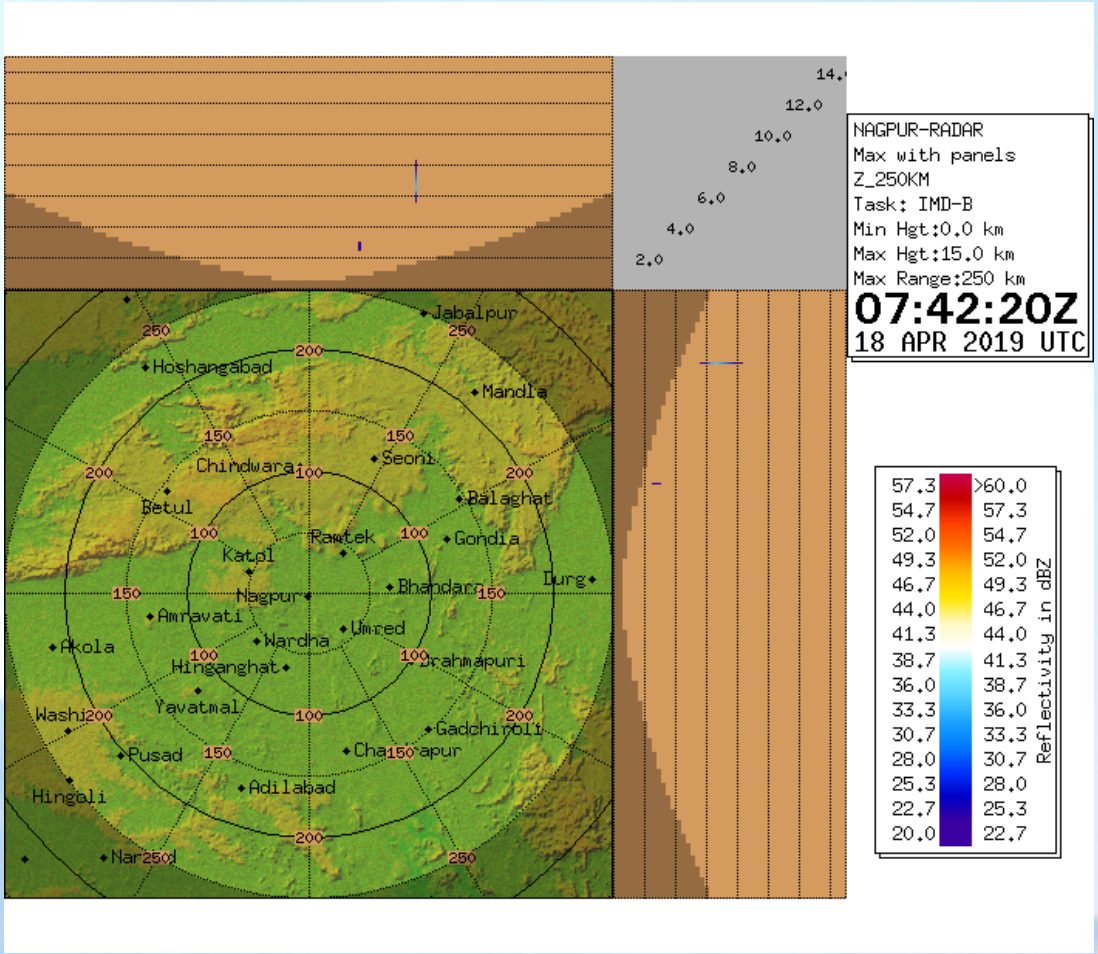

NAGPUR-RADAR
Max with panels
Z_250KM
Task: IMD-B
Min Hgt:0.0 km
Max Hgt:15.0 km
Max Range:250 km
07:42:20Z
18 APR 2019 UTC
Jabalpur
Hoshangabad
Mandla
Seoni
Chindwara
Balaghat
Betul
Ramtek
Gondia
Katol
Bhandara
Durg
Nagpur
Amravati
Umred
Akola
Wardha
Hinganghat
Yavatmal
Washi
Gadchiroli
Pusad
Adilabad
Hingoli
Reflectivity in dBZ

आई. एम. डी.

मौसम के रहस्य थे अज्ञात, जब मेरा नहीं था अस्तित्व,
जैसे-जैसे मै बढा, खोजे मैने नये-नये मौसमी तत्व |

होने लगी मौसम की गुथ्थियां ज्ञात,
गुब्बारे, रेडिओ सोंदे और परिक्षण पद्धति,
ये सब जब थे मेरे मुलभुत परिक्षण तंत्र शुरुवाती ।

बिगडे मौसम का मिजाज, उपरी हवाई चक्रवात,
खुशाल मौसम नाप, उपरी हवाई प्रति-चक्रवात ।
उपसागर, सागर है अवदाब, चक्रवात के स्त्रोत,
हसाते-रुलाते रहते है ये मौसमी पोत ।

सृष्टि, मानव नरसंहार के हथियार ये कुदरती,
सदियों से मिटाते आ रहे है मानव संस्कृति ।

रेडार और देसी उपग्रह है उपचार का रास्ता,
इन से है अभी चैन, अमन और राहत का वास्ता ।

डी एम डी डी, ए एम एस एस व एम एफ आई
अब ये है मेरे नये दोस्त,
इन के बदौलत मेरी सेहत बन गई है जवां
और बन गया हूं मै भी मद-मस्त ।

एन डब्लु पी, एल आर एफ से बना मै आधुनिक और तंदुरुस्त,
पूर्वानुमानों को बनाया जिन्हों ने
पहले से भी कई ज्यादा चुस्त-दुरुस्त ।

डी सी डब्ल्यु एस, ए डब्ल्यु एस अब है
मेरे उड्डयन विमानन के नये तंत्र,
एन डी सी और डी आर एम एस अब है
गैर उड्डयन विमानन के मेरे अनोखे मित्र ।
एच एस डी टी, ए एम एस एस बना है
नया मौसम संचार तंत्र,
ए डब्ल्यु एस, ए आर जी और विकिरण है
नये पूर्वानुमान यंत्र।
स्थानिय, प्रादेशिक और मानसून पूर्वानुमान,
सटिक भविष्यवाणी करना आज है आसान ।
जब से सांखिकी मोडेल हुये आधुनिक और गतिमान,
जल-वायु, मौसम पूर्वानुमान जानना और भी हुआ आसान ।
आय वी आर एस और भूमंडलिय संजाल,
ये है अब सदा ही मेरे लिये विद्यमान् ।
जब तक है चांद-सूरज चमकता रहेगा आसमान,
मेरी निरंतर सेवा में नही आ पायेगा कभी कोई व्यवधान ।

I.M.D.

When I was not born,
WXs secrets were unknown.
When I am grown,
Wxs mysteries begin to open.
I play with Synops, Pilots & RS balloons,
Results arrived at conclusion.
Fair Wx with Anti-Cyclone,
Bad Wx with Cyclone.
Oceans are the pet homes of Cyclone and Depression,
Nature's destructive powerful weapon.
Years after year passed on,
Destruction of property, animals and human.
DWR, INSAT are the solution,
For tracking Cyclone over land and Ocean.
DMDD, HPCS, MFI are new companion,
I am strong with NWP, LRF induction.

contd…….

All it will take me to new Horizon.
DCWIS, AWOS added strength to aviation,
NDC & DRMS to non-aviation.
HSDT & AMSS to communication,
AWS, ARG & Radiation,
All makes me young, strong & modern.
Local, Regional and Monsoon forecast are fun,
When Dynamic IMD Models will run.
Wx forecast & Climate are easy known,
When IVRS, IMD Web Log-in.
I serve Marine, animal and human,
Till Sun, Moon in heaven.

❖ Composed by :-

❖ *ARUN V. GODE, A.M.O.Nagpur*.

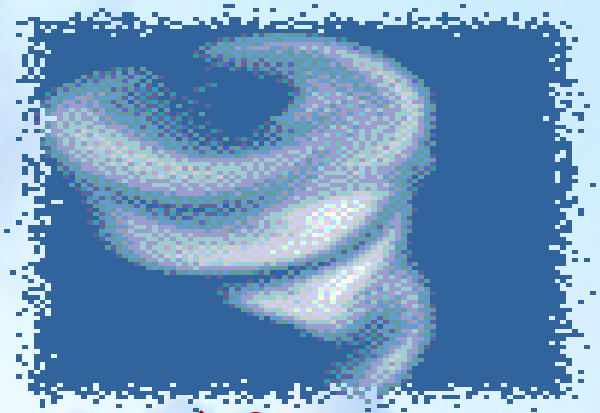

❖धन्यवाद.